Saral Astrology™
Astrology | Lal Kitab | Vastu

Let's Celebrate

Happy Diwali

/SaralAstrology

Saral Astrology™
Astrology | Lal Kitab | Vastu

Google मुहूर्त भी हो सकता है गलत!

श्रीमहालक्ष्मी पूजन एवं दीपावली का महापर्व कार्तिक अमावस्या में प्रदोष काल हो तो विशेष रूप से शुभ होता है। निर्णय सिंधु के अनुसार लक्ष्मी पूजा, दीपदानादि के लिए प्रदोषकाल ही विशेषतया प्रशस्त माना जाता है।

कार्तिके प्रदोषे तु विशेषेण अमावस्या निशावर्धके ।
तस्यां सम्पूज्येत् देवीं भोगमोक्ष प्रदायिनीम् ।।

परन्तु कई बार अमावस्या तिथि और प्रदोष काल का संयोग दो दिन का होता है इसलिए ब्रहापुराण अनुसार अर्द्धरात्रि व्यापिनी अर्थात् आधी रात तक रहने वाली अमावस्या ही श्रेष्ठ मानी गयी है। यदि वह आधी रात तक न रहे, तो प्रदोषव्यापिनी तिथि लेनी चाहिए और यदि दो दिन प्रदोष- व्यापिनी कार्तिक अमावस्या हो तो दूसरे दिन वाली 'दीपावली' (महालक्ष्मी पूजन) मनाई जानी चाहिए।

नोट- शास्त्रों के अनुसार, इस वर्ष कार्तिक अमावस्या तिथि 20 अक्टूबर, सोमवार को दोपहर 03:53 से 21 अक्टूबर, मंगलवार शाम 05:55 तक रहेगी। दिवाली के त्यौहार पर रात्रि में अमावस्या तिथि होनी चाहिए जो की 21 अक्टूबर को नहीं हैं। हर व्रत या त्यौहार में उदया तिथि देखी जाती है, लेकिन दिवाली पर्व पर प्रदोष काल का विचार अमावस्या तिथि के साथ किया जाता हैं। सामान्यतः सूर्यास्त के बाद दो घटी 48 मिनिट तक नित्य प्रदोष काल रहता है। 20 अक्टूबर को अमावस्या तिथि, प्रदोष एवं अर्धरात्रि व्यापनी रहेगी वहीँ 21 अक्टूबर को अमावस्या तिथि प्रदोष व्यापनी नहीं रहेगी। इसलिए शास्त्रानुसार 20 अक्टूबर, सोमवार के दिन वाली अमावस्या तिथि पर महालक्ष्मी पूजा करना शुभ होगा।

Saral Astrology™
Astrology | Lal Kitab | Vastu

दिवाली पूजन से पहले अपनाएं ये वास्तु उपाय

1. घर से अवांछित सामान जैसे कि पुराने कपड़े, जूते, डिब्बे, टुटे इलेक्ट्रॉनिक्स, टूटा कांच, और खंडित मूर्तियां आदि हटा दें और पूरे घर को नमक के पानी से साफ़ करें।
2. आम और अशोक के ताजे पत्तों से बनी बंधनवार (तोरण) घर के मुख्य द्वार पर लगाएं।
3. मत्स्य पुराण के अनुसार झाड़ू को माता लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है, धनतेरस के दिन अगर घर में नई झाड़ू लाई जाए तो धन संबंधित परेशानियों से राहत मिलती है।
4. बड़ी प्रतिमाओं की स्थापना पूजा स्थल में न करें। 4-6 इंच तक की प्रतिमा ही घर में रखें।
5. लक्ष्मी-गणेश की प्रतिमा 4-6 इंच की और कच्ची मिटटी की लाए व पूजन उत्तर (North) या उत्तर-पूर्व (North-East) दिशा में ही करे और अखंड दीपक आग्नेय कोण (South-East) में रखें।
6. वास्तु अनुसार फल-फूल जैसे उगते हैं, उन्हें वैसे ही चढ़ाएं, तोड़ें या काटें नहीं ।
7. बासी फूल-पत्ते व जल पूजा में इस्तेमाल नहीं करें। (ये ध्यान रहे कि तुलसी और गंगाजल कभी बासी नहीं होते।)
8. दीपक को भूलकर भी सीधा पृथ्वी पर न रखें, दीपक को चावल, गेहूं अथवा सप्तधान्य का आसन दें।

Saral Astrology™
Astrology | Lal Kitab | Vastu

पंच दिवस शुभ मुहूर्त

धनतेरस
शनिवार, 18 अक्टूबर
पूजन मुहूर्त
07:16 pm से 08:20 pm

नरक चतुर्दशी
सोमवार, 20 अक्टूबर
अभ्यंग स्नान शुभ मुहूर्त
05:13 am से 06:25 am

दिवाली
सोमवार, 20 अक्टूबर
लक्ष्मी पूजन मुहूर्त
07:08 pm से 08:18 pm

गोवर्धन पूजा
बुधवार, 22अक्टूबर
पूजा मुहूर्त
06:34 am से 08:46 am

भाई दूज
गुरुवार, 23 अक्टूबर
तिलक मुहूर्त
01:13 pm से 03:28 pm

Saral Astrology™
Astrology | Lal Kitab | Vastu

लक्ष्मी पूजन शुभ मुहूर्त

सोमवार, 20 अक्टूबर, 2025

व्यापारिक प्रतिष्ठान

(दुकान, ऑफिस, फैक्ट्री-कारखाने के लिए)

03:44 pm से 05:46 pm

गृह पूजन

07:08 pm से 08:18 pm

महानिशीथ काल पूजन

11:41 pm से 12:31 am

Saral Astrology™
Astrology | Lal Kitab | Vastu

दीपावली पूजन विधि

इस दिन लक्ष्मी पूजा से पहले कलश, भगवान गणेश, विष्णु, इंद्र, कुबेर और देवी सरस्वती की पूजा की परंपरा है, कलश में जल, सिक्का, सुपारी, दुर्वा, अक्षत, तुलसी पत्र डालकर कलश पर आम के पत्ते पर नारियल रख वरुण मंत्र पढ़ कर कलश पूजन करें। कलश पूजन के बाद गणेश पूजन और तदुपरांत विष्णु, इंद्र, कुबेर और देवी सरस्वती पूजन करें। इसके बाद लक्ष्मी पूजा शुरू करें। आज के दिन श्रीसूक्त, श्री कनकधारा स्त्रोत, श्री लक्ष्मी स्त्रोत, महालक्ष्मी अष्टकम, महालक्ष्मी स्तुति और अंत में लक्ष्मी जी की आरती जरूर करें। दीपावली पूजन के पश्चात घर में एक धौमुखी दीपक रात भर जलता रहना चाहिए। यह दीपक धन लक्ष्मी प्राप्ति एवं सौभाग्य में वृद्धि का प्रतीक माना जाता है।

Saral Astrology™
Astrology | Lal Kitab | Vastu

दीपावली की रात 13 जगहों पर दीपक जलना न भूले

1. घर के मुख्य द्वार के दोनों तरफ

2. घर के पास स्थित चौराहे पर

3. तुलसी के पौधे के पास

4. घर के आंगन में

5. घर के छत पर

6. घर के मंदिर में दीपक

7. घर की रसोई में

8. पीपल के पेड़ के नीचे

9. तिजोरी के पास

10. नदी या तालाब के किनारे

11. कूएं या नलकूप के पास

12. घर के चारों कोनों में चारमुख वाले दीपकल

13. स्टोर रूम में और बाथरूम में

Saral Astrology™
Astrology | Lal Kitab | Vastu

दिवाली पूजा के बाद क्या करे?

- पूजा में इस्तेमाल किए गए अक्षत पक्षियों को डाल दें।
- कलश के जल को पहले किसी पुष्प से घर में छिडकें और शेष जल को किसी भी पेड़-पौधें में डाल दें।
- भोग में चढ़ाए गए फल, पकवान, खील, बताशे, मिठाइयों और मेवों को घर के सदस्यों को प्रसाद रुप में बांट दें। अपने घर में काम करने वाले को और किसी भी गरीब व्यक्ति को भी यह प्रसाद अवश्य दें।
- दीपकों को पूजा के बाद संभाल कर रख दें, ये आगे पूजा में इस्तेमाल किए जा सकते हैं।
- अगर आपने पूजा में महालक्ष्मी या कुबेर यंत्र की स्थापना की है तो इसे पीले वस्त्र में बांधकर तिजोरी में रख दें।
- माँ लक्ष्मी को सुहाग की सामग्री चढ़ाई है तो उसे घर की महिलाएं खुद धारण करें।
- चढ़ाए हुए खड़े धनिये को मिटटी में बो दे, झाड़ू को घर में इस्तेमाल करे, दक्षिणा को मंदिर में दान दे या घर के मंदिर के लिए पूजा सामग्री खरीद ले, चांदी के सिक्कों को वापिस तिजोरी में रख दें।

Saral Astrology™
Astrology | Lal Kitab | Vastu

दिवाली पूजन Shopping List

1. रोली, कुमुकम, अक्षत (चावल) और कलावा
2. कपूर
3. केसर, अबीर, गुलाल, अभ्रक, हल्दी, मेहंदी, चंदन, सिंदूर
4. धूप, अगरबत्तियां और दीपक
5. रूई, दूर्वा, जनेऊ, श्वेत वस्त्र, इत्र, मिट्टी का दीया,
6. केले के पत्ते, पान के पत्ते, सुपारी, नारियल
7. लौंग, इलायची
8. शहद, दही, गुड़
9. धनिया, फल, फूल, जौ, गेहूं, दूध
10. मेवे, खील, बताशे, प्रसाद, पंच मेवा, पंचामृत
11. चौकी और लाल कपड़ा (आधा मीटर)
12. कमल गट्टे की माला, शंख
13. गंगाजल
14. थाली
15. चांदी का सिक्का
16. बैठने के लिए आसन
17. हवन कुंड और हवन सामग्री
18. आम के पत्ते
19. मेहंदी, चूड़ी और काजल
20. ऋतुफल
21. मिष्ठान, इलायची (छोटी), तुलसी दल, चौकी या आसन
22. गणेश-लक्ष्मी मूर्ति

शुभ दिपावली

Saral Astrology

www.saralastrology.com

Netaji Subhash Place, New Delhi - 110034

+91-8585 98 4141